LESSON- 4

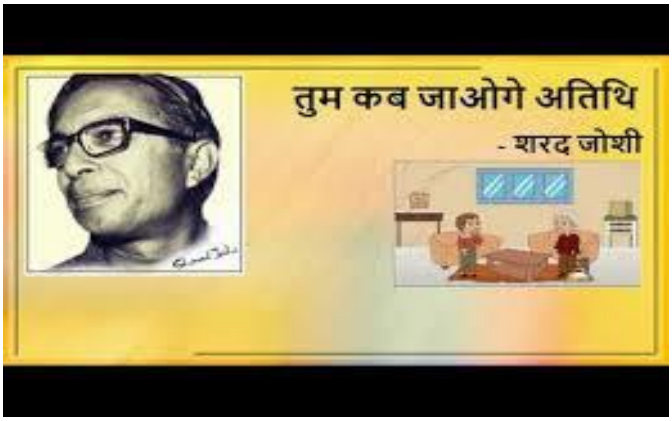

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर Question-Answers from Textbook

❖ लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर Short Answer-Questions

प्र.1 लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

उत्तर लेखक चाहता था कि अतिथि दूसरे दिन एक शानदार मेहमाननवाज़ी की छाप अपने हृदय में लेकर चला जाए। लेखक उससे रुकने को कहे मगर वह न माने। लेखक चाहता था कि वह उसे छोड़ने स्टेशन तक जाए।

प्र.2 पाठ में आए निम्नलिखित कथनों की व्याख्या कीजिए—

क. अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया।

उत्तर जब लेखक ने अतिथि को अपने दरवाज़े पर देखा तो उसने सोचा कि उनकी खातिरदारी में अतिरिक्त खर्च करना होगा, जिससे घर की अर्थव्यवस्था बिगड़ सकती है। बटुए का काँप जाना लेखक की इसी चिंता को व्यक्त करता है।

ख. अतिथि सदैव देवता नहीं होता, वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है।

उत्तर भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता माना गया है। जैसे देवता कभी-कभार थोड़ी देर को दर्शन देते हैं, वैसे ही अतिथि भी कभी-कभार पधारते हैं। इसीलिए आने पर उनका आदर-सत्कार देवता की तरह किया जाता है पर जब कोई अतिथि आतिथेय की परेशानियों पर ध्यान नहीं देता तब वह मानव होता है। और जब वह दूसरों को सताने में आनंद लेने लगता है तब वह राक्षस में बदल जाता है। लेखक के घर से अतिथि जाने का नाम नहीं ले रहा था इसलिए यह पंक्ति कही गई।

ग. लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें।

उत्तर प्रत्येक व्यक्ति को अपना घर बहुत अच्छा लगता है। किसी बाहरी व्यक्ति के आ जाने से घर के लोगों की स्वतंत्रता में खलल पड़ता है। भले लोगों को चाहिए कि वे किसी के घर में गैर-ज़रूरी होने पर भी टिके रहकर घर के लोगों का घर में रहना दूभर न बनाएँ। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह पंक्ति कही गई है।

घ. मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी।

उत्तर अतिथि को पधारे चार दिन हो चुके थे। लेखक का परिवार उससे ऊब चुका था मगर वह जाने का नाम ही नहीं ले रहा था। लेखक का धैर्य जवाब देने लगा था। वह मन-ही-मन यह तय कर रहा था कि यदि रात बीतने के साथ ही अतिथि ने वापस जाने के लक्षण नहीं दिखाए तो वह सुबह होते ही उसे धक्के मारकर घर से निकाल भी सकता है।

ङ. एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते।

उत्तर भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता कहा गया है। जब अतिथि घर आता है तो उसकी आवभगत एक देवता के समान की जाती है। उसका स्थायी निवास तो कहीं और होता है। मनुष्य को देवता की पूजा-अर्चना के अलावा भी बहुत-से काम करने होते हैं। इसलिए वह जब कभी देवता के दर्शन करने भी जाता है, तो वहाँ कुछ ही देर ठहरता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर Long Answer-Questions

प्र.1 कौन-सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर लेखक यह सोच रहा था कि अतिथि आज-भर रुककर कल सुबह चला जाएगा। लेकिन जब मेहमान ने तीसरे दिन सुबह यह कहा कि मैं धोबी को कपड़े देना चाहता हूँ तो लेखक के दिल पर धक्का-सा लगा। उसे यकीन हो गया कि अतिथि अभी कई दिन रुकेगा। उसका अतिथि के प्रति मन खट्टा हो गया। वह मन-ही-मन अतिथि को उलाहना देने पर विवश हो गया। यहाँ तक कि उसने अतिथि को मारकर घर से विदा करने का इरादा तक कर लिया था।

प्र.2 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना' — इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर संक्रमण शब्द का अर्थ होता है — एक स्थिति या अवस्था से दूसरी स्थिति या अवस्था में प्रवेश। इस पाठ के संदर्भ में इसका आशय है मधुर संबंधों का कटु संबंधों में प्रवेश। लेखक और अतिथि के बीच बातचीत की शुरुआत पुरानी यादों में गोता लगाने से हुई थी जो अब संवादहीनता में बदल चुकी थी। सभी विषयों पर बातचीत भी समाप्त हो गई। अब लेखक के मन में अतिथि के प्रति मान-सम्मान कम होता जा रहा था। लेखक यह चाह रहा था कि यह शीघ्र ही यहाँ से चला जाए। अब व्यवहार में पहले जैसी गर्मजोशी नहीं रही थी। यदि वह अब भी नहीं गया तो लेखक अतिथि के प्रति आक्रमक भी हो सकता था।

प्र.3 जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर अतिथि के चार दिनों बाद भी न जाने पर लेखक की मुसकराहट गायब हो गई, बातचीत बंद हो गई, सद्‌भाव बोरियत में बदल गया। डिनर और लंच की गरिमा को खिचड़ी में बदल दिया गया। लेखक अतिथि को खूब खरी-खोटी सुनाने का मन बनाने लगा। वह उसे देखकर भी अनदेखी करने लगा, उससे बातें करने की जगह उसके सामने बैठकर उपन्यास पढ़ने लगा। उसके आचरण में मीनमेख निकालने लगा। अतिथि की जगह उसे राक्षस समझने लगा। अपनी बर्दाश्त की सीमा को जाँचने-परखने लगा। अपने आपको अतिथि के प्रति कोई अभद्रता न करने से बमुश्किल रोके रहा।

भाषा-अध्ययन

प्र.1 निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—
चाँद, ज़िक्र, आघात, ऊष्मा, अंतरंग

उत्तर

शब्द	पर्यायवाची	शब्द	पर्यायवाची
चाँद	मयंक, निशाकर	आघात	चोट, धक्का
ज़िक्र	वर्णन, चर्चा	ऊष्मा	ताप, गरमी
अंतरंग	करीबी, घनिष्ठ		

प्र.2 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए—

उत्तर

(क) **हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे।** **(नकारात्मक वाक्य)**
हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने नहीं जाएँगे।

(ख) **किसी लॉण्ड्री पर दे देते हैं, जल्दी धुल जाएँगे।** **(प्रश्नवाचक वाक्य)**
लॉण्ड्री पर देने से क्या जल्दी धुल जाएँगे?

(ग) **सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी।** **(भविष्यत काल)**
सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो जाएगी।

(घ) **इनके कपड़े देने हैं।** **(स्थानसूचक प्रश्नवाची)**
इनके कपड़े कहाँ देने हैं?

(ङ) **कब तक टिकेंगे ये?** **(नकारात्मक वाक्य)**
ये अब नहीं टिकेंगे।